No. of Printed Pages : 8

MES-101

MASTER OF ARTS (EDUCATION)/POST GRADUATE DIPLOMA IN HIGHER EDUCATION [M. A. (EDU.)/PGDHE]

Term-End Examination

June, 2020

MES-101 : HIGHER EDUCATION : ITS CONTEXT AND LINKAGES

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : (*i*) *All questions are compulsory.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

---

1. Answer the following question in about 600 words :

   Explain the role of higher education in the socio-economic development of Indian society. Give examples in support of your arguments.

P. T. O.

Or

What is meant by academic freedom and institutional autonomy ? Discuss how these concepts are two sides of the same coin. Give suitable examples in support of your answer.

2. Answer the following question in about **600** words :

Elaborate some of the important constitutional provisions related to higher education in India. Discuss how these provisions have been instrumental in ensuring equity and quality in higher education.

Or

Discuss in detail the role and responsibilities of teachers in higher education. Suggest measures to enhance their commitment towards their duties and professional ethics.

2. Answer any *four* of the following questions in about 150 words each :

(a) Elaborate how education can lead to the 'development and perfection of the individual'.

(b) Discuss how higher education in India reflects the social class structure.

(c) Describe how globalization has helped in massification of higher education.

(d) Discuss in brief the impact of privatization of higher education on access and equity in the Indian context.

(e) "If a single reform is to be brought about in Indian education, it has to be in the field of evaluation." Elaborate.

4. Answer the following question in about 600 words :

Discuss the role of ODL system in higher education in ensuring access, equity and quality. Examine the impact of ODL system on socio-economic development in the Indian context.

एम.ई.एस.-101

स्नातकोत्तर कला (शिक्षा)/उच्चतर शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
[एम.ए. (ई.डी.यू.)/पी.जी.डी.एच.ई.]
सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

एम.ई.एस.-101 : उच्चतर शिक्षा : इसका संदर्भ एवं संबंध

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : (*i*) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

   भारतीय समाज के सामाजिक-आर्थिक विकास में उच्चतर शिक्षा की भूमिका की व्याख्या कीजिए। अपने तर्कों के समर्थन में उदाहरण दीजिए।

अथवा

शैक्षिक स्वतंत्रता एवं संस्थागत स्वायत्तता का क्या अर्थ है ? ये अवधारणाएँ एक ही सिक्के के दो पहलू कैसे हैं, चर्चा कीजिए। अपने उत्तर के समर्थन में उचित उदाहरण दीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

भारत में उच्चतर शिक्षा से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रावधानों का वर्णन कीजिए। इन प्रावधानों को उच्चतर शिक्षा में समता एवं समानता के सुनिश्चयन में किस प्रकार क्रियान्वित किया गया है, चर्चा कीजिए।

अथवा

उच्चतर शिक्षा में शिक्षकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्वों की विस्तृत चर्चा कीजिए। उनके कर्त्तव्यों तथा व्यावसायिक नैतिकता के प्रति उनकी वचनबद्धता की वृद्धि हेतु युक्तियों को सुझाइए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(a) शिक्षा व्यक्ति के विकास एवं संपूर्णता को किस प्रकार अग्रसर कर सकती है ? वर्णन कीजिए।

(b) भारत में उच्चतर शिक्षा सामाजिक वर्ग संरचना को कैसे प्रतिबिंबित करती है ? चर्चा कीजिए।

(c) वैश्वीकरण उच्चतर शिक्षा को जनवादी बनाने में कैसे सहायता करता है ? वर्णन कीजिए।

(d) भारतीय संदर्भ में पहुँच एवं समानता पर उच्चतर शिक्षा के निजीकरण के प्रभाव की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

(e) "यदि भारतीय शिक्षा में एक भी सुधार लाया जाना होता है, इसे मूल्यांकन के क्षेत्र में लाना होता है।" वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

पहुँच, समता एवं समानता के सुनिश्चयन में उच्चतर शिक्षा में मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम पद्धति की भूमिका की चर्चा कीजिए। भारतीय संदर्भ में सामाजिक-आर्थिक विकास पर मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम पद्धति के प्रभाव का परीक्षण कीजिए।